

清郁

असाधारम् Extraordinary

भाग II—सण्ड 3—उप-सण्ड (H) PART II—Section 3—Sub-Section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 771] नई विल्ली, बृहस्पतिवार, नवस्थर 16, 1989/कार्तिक 25, 1911 No. 771] NEW DELHI, THURSDAY, NOVEMBER 16, 1989/KARTIKA 25,1911

इ.स. भाग में भिन्स पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग रांफ लग को कप में रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation

विस्त मंत्रालय

(आर्थिक कार्य विभाग)

(स्टाक एक्सचेंज प्रभाग)

अधिस्चना

मई दिल्ली, 16 नवम्बर, 1989

का. आ. 950(अ)ः— केन्द्रीय सरकार, जयपुर स्टाक एक्सचेंज लिमिटेड, जयपुर द्वार (जिसे इसमें इसके पश्चात् "एक्सचेंज" कहा गया है (प्रतिभूति संविदा) (विनियमन) नियमावली, 1957 के नियम 7 के साथ पठित प्रतिभृति संविदा (विनियमन) अधिनियम, 1956 (1956 का 42वां) की धारा 3 के अन्तर्गत मान्यता-नवीकरण के लिए दिए गए आवेदन पत्न पर विचार करने और इस बात के सन्तुष्ट होने के बाव कि ऐसा करना व्यापार के हित में तथा लोकहित में भी होगा, उक्त अधिनियम की धारा 4 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का 🕺 प्रयोग करते हुए, एतक्द्वारा, एक्सचेंज को उपर्युक्त धारा 4 के अधीन 9 जनवरी, 1990 से आरम्भ होने वाली और 8 जनवरी, 1995 को समाप्त होने वाली 5 वर्ष की अवधि के लिए प्रतिभृतियों की संविदाओं के संबंध में ऐसी णतों के अधीन जो बाद में निर्धारित अथवा लागू की जाएगी, मान्यता प्रदान करती है।

> [एफ. संख्या 1/119--एस. ई./89] पी. जी, मंकड, संयुक्त सचिट

MINISTRY OF FINANCE

(Department of Economic Affairs) (Stock Exchange Division) NOTIFICATION

New Delhi, the 16th November, 1989

S.O. 950(E).-The Central Government having considered the application for renewal of recognition made under Section 3 of the Securities Contrac's (Regulation) Act, 1956 (42 of 1956), read with rule 7 of the Securities Con tracts (Regulation) Rules, 1957, by the Jaipur Stock Exchange Limited, Jainur (hereinaster referred to as the Exchange) and being satisfied that it would be in the interest of the trade and also in the public interest so to do, hereby grants in exercise of the powers conferred by the section 4 of the Act, recognition to the Exchange under the said section 4 for a further period of 5 years commence ing on the 9th January, 1990 and ending with the 8th January, 1995 in respec of contracts in securities subject to such conditions as may be prescribed o imposed hereafter.

> [F. No. 1|119|SE|85 P. G. MANKAD, Jt. Sec-